आधुनिक हिन्दी कविता

पूर्णांकः 100
समयः 3 घंटे

पाठ्य विषय

1.	**मैथिलीशरण गुप्त**	साकेत (नवम सर्ग)
2.	**जय शंकर प्रसाद**	कामायनी (श्रद्धा, झंडा और रहस्य सर्ग)
3.	**सूर्यकांत त्रिपाटी 'निराला'**	राम की भक्ति पूजा, सरोज समृति और कुकुरमुत्ता

एम.ए. हिंदी (उत्तरार्द्ध)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश:–

1. खण्ड 'क', 'ख' और 'ग' में से तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'घ' में पूरे पाठ्य विषय से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पाँच के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का और पूरा खण्ड प्रश्न बीस अंकों का होगा।
3. खण्ड 'ङ' (अन्तिम प्रश्न) अति लघूत्तरी प्रकृति का होगा। इसमें अनिवार्य दस प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

खण्ड–क : संस्कृत काव्यशास्त्र

1. काव्य : स्वरूप और प्रकार
   - काव्य लक्षण
   - काव्य–हेतु
   - काव्य–प्रयोजन
   - काव्य के प्रकार
2. रस–सिद्धान्त
   - रस का स्वरूप
   - रस निष्पत्ति
   - साधारणीकरण
   - सहृदय की अवधारणा
3. अलंकार सिद्धान्त
   - अलंकार की अवधारणा
   - अलंकार सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
   - अलंकारों का वर्गीकरण
4. रीति सिद्धान्त
   - रीति का स्वरूप
   - रीति एवं शैली
   - काव्य–गुण
   - रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
5. ध्वनि सिद्धान्त
   - ध्वनि का स्वरूप
   - ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
   - ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद : गुणीभूत व्यंग्य काव्य, चित्रकाव्य
6. वक्रोक्ति सिद्धान्त
   - वक्रोक्ति का स्वरूप
   - वक्रोक्ति के भेद
   - वक्रोक्ति और अभिव्यंजना
7. औचित्य सिद्धान्त
   - औचित्य का स्वरूप
   - औचित्य की प्रमुख स्थापनाएँ
   - औचित्य के भेद

खण्ड–ख : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

8. प्लेटो – काव्य–सिद्धान्त
9. अरस्तू – (क) अनुकरण सिद्धान्त (ख) विरेचन सिद्धान्त
10. लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा
11. जान ड्राइडन – काव्य–सिद्धान्त
12. वर्ड्सवर्थ – काव्य–भाषा का सिद्धान्त
13. कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त
14. मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरूप और कार्य
15. टी०एस० इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
16. आई०ए० रिचर्ड्स – संवेगों का संतुलन
17. सिद्धान्त और वाद – स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, फ्रायडवाद, अस्तित्ववाद

खण्ड–ग : हिन्दी काव्यशास्त्र

18. हिन्दी आलोचना का विकास
19. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि
    - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
    - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
    - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
    - डॉ० रामविलास शर्मा

M.A. (Previous) Sanskrit

Paper-V

Full Marks: 100
Time: 3 Hrs.

Note: i. Question paper will set in Sanskrit and English.
ii. Candidates are required to answer one question out of two from each unit carrying 20 marks each.
iii. One question worth 20 marks is requires to be answered in Sanskrit.

Unit-I **20 Marks**

i. Definition, Scope and Branches of Linguistics.
(भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र तथा शाखाएं)

ii. Definition and Categories of Language
(भाषा की परिभाषा तथा प्रकार)

iii. Origin and Development of Language
(भाषा का उद्भव तथा विकास)

Unit-II **20 Marks**

i. Phonetics
(ध्वनिविज्ञान)

ii. Morphology
(पदविज्ञान)

Unit-III **20 Marks**

i. Syntax
(ध्वनिविज्ञान)

ii. Semantics
(पदविज्ञान)

Unit-IV **20 Marks**

i. Morphological and Geographical division of the Languages of the World.
(विश्व की भाषाओं का आकृतिमूलक तथा पारिवारिक वर्गीकरण)

ii. Indo-European Family
(भारोपीय परिवार)

Unit-V **20 Marks**

i. History of Linguistic Studies
(भाषाशास्त्र का इतिहास)

ii. Paleography
(शिलालेख विज्ञान)

लौकिक संस्कृत साहित्यम्

एम. ए. पूर्वार्द्ध

Paper : 4

Full Marks: 100
Time: 3 Hrs.

Guidelines :

Unit I.	Explanations of two verses out of four carrying 10 marks each.	10x2 = 20
Unit II.	Explanations of two passages out of four carrying 10 marks each.	10x2 = 20
Unit III.	Explanations of two verses out of four carrying 10 marks each.	10x2 = 20
Unit IV.	One critical question out of two based on text carrying 20 marks should be asked.	10x2 = 20
Unit V	Four Alankaras out of eight with definitions & examples only	5x4 = 20

Note : *One question with 20 marks is required to answered in Sanskrit.*

Unit I. मेघदूतम् — 20
Meghduta of Kalidasa

Unit II. हर्षचरित प्रथम उच्छास — 20
Harsachrita of Bana Bhatta, Ucchvasa-I

Unit III. मृच्छकटिकम् — 20

Unit IV. साहित्यदर्पण, परिच्छेद I, II, III (29 कारिका तक) — 20
Sahitydarpana of Visvanatha, Pariccheda I, II, III (up to Karika 29)

काव्य तथा काव्य-शास्त्र

Sanskrit

Option - C

Paper - VII

Full Marks : 100

Time : 3 Hrs.

Unit - I नैषधीय चरितम् — प्रथम सर्ग — **20 Marks**

Naisadhiyacaritam of Sri Harsa - Conto - I.

Unit - II विक्रमांकदेवचरितम् — **20 Marks**

Vikramankadeva of Caritam of Bilhana Canto - I.

Unit - III विश्वगुणादर्श चम्पू — **20 Marks**

Visvagunadarsacampu of Venkatadhyari - Upto Ramanujavarnanam.

Unit - IV आयति — **20 Marks**

Ayath-Collection of Radhavallabha Tripathi.

Unit - V महाकाव्य, चम्पू, गद्य आदि का उद्‌भव और विकास — **20 Marks**
भामह, दण्डी और विश्वनाथ की परिभाषाओं सहित

Origin and Development of Various forms of Mahakavya, Campu, Gadya etc. with their definitions given by Bhamaha, Dandi and Visvanatha.

Guidelines :-

Unit - I

(*i*) Explanations of two verses out of four carrying 10 marks each. — $10 \times 2 = 20$

Unit - II

(*i*) Explanations of two verses out of four carrying 10 marks each. — $10 \times 2 = 20$

Unit - III

(*i*) Explanations of two passages out of four carrying 10 marks each — $10 \times 2 = 20$

Unit - IV

(*i*) Two short notes out of four based on text. — $10 \times 2 = 20$

Unit - V

(*i*) One critical question out of two carrying 20 marks should be asked. — $20 \times 1 = 20$

Note :— Question/questions worth 20 marks is/are required to be answered in Sanskrit.

गद्य तथा नाटक

Sanskrit

Option - C

Paper - VIII

भाग—1

Full Marks: 100
Time: 3 Hrs.

Unit - I मृच्छकटिकम् (शूद्रक) **20**

Mricchakatikam of Sudraka

Guidelines:—

Question pape should be set in Sanskrit & English

Unit - I.

(i) Explanations of two verses out of four carrying 10 marks each 10 x 2 = 20

Note:— Question/questions worth 20 marks is/are required to be answered in Sanskrit.